* ॐ *

कीर्तन ध्वनि

—*:o:*—

१००० कीर्तन ध्वनि मनीठी की
सत्संगनों ने धर्मार्थ वितरणार्थं छपवाई

मुद्रक तथा प्रकाशक

भूमानन्द ब्रह्मचारी "भक्ति प्रेस"
श्रीभगवद्भक्ति आश्रम, रामपुरा, रेवाकी ।

॥ ओ३म् ॥

१

गणपति दुर्गा रवि विष्णु शिव ॥

२

अल्ला अक्का अम्बा देवी ।
परमानन्द लहैं तेरी सेवी ॥

३

वाहि गुरुजी वाहि गुरुजी,
बे अन्त बे परवाह गुरुजी ।
दीन दयाल कृपाल गुरुजी,
भगतन के रछपाल गुरुजी ॥

४

बं बं बं महादेव सदाशिव ।
हर हर हर महादेव सदाशिव ॥

५

गौरी शंकर जयशिव जयशिव ।
जयशिव जयशिव जयशिव जयशिव ॥

६

अलख अपार अनाम अगोचर ।
ज्योति स्वरूप अकाल पुरुष हर ।

७

सत्य नाम सोऽहं दुःख भञ्जन ।
ररंकार ओंकार निरञ्जन ॥

८

नारायण चरणी नमो नमो नित ।

९

राधा रमण हरि गोविन्द जय जय ।
गोविन्द जयजय गोपाल जयजय ॥

१०

राधाकृष्ण भज कुञ्ज बिहारी ।
मुरलीधर गोवर्धन धारी ॥

११

शंख चक्र पीताम्बर धारी ।
करुणा सागर कृष्ण मुरारी ॥

१२

हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ।
हरेकृष्ण हरेकृष्ण कृष्णकृष्ण हरे हरे ॥

१३

गौरी शंकर सीताराम ।
राधे श्याम श्यामा श्याम ॥

१४

बोल हरि बोल हरि हरि बोल ।
गोविन्द माधव मुकुन्द बोल ॥

१५

राधे राधे गोविन्द बोलोरे ॥

१६

गोपी प्रिय गोपीनाथ ।
गोपी जन वल्लभ ॥

१७

जय नारायण जय गोविन्द हरे ।
जय नारायण जय गोपाल हरे ॥

१८

जय राधे जय राधे जय राधे ॥

१९

श्रीकृष्ण चैतन्य प्रभु नित्यानन्द ।
हरे कृष्ण हरे राम राधे गोविन्द ॥

२०

नारायण हरि ओं ओं।
ओं ओं ओं ओं ओं ओं॥

२१

नित्य ही बोलो राघे श्याम।
हरे कृष्ण हरे राम॥

२२

रघुपति राघव राजा राम।
पतित पावन सीताराम॥

२३

जय रघुनन्दन जय सिया राम।
जानकी बल्लभ सीताराम॥

२४

अच्युतं केशवं राम नारायणम् ।
कृष्ण दामोदरं वासुदेवं हरिम् ॥

२५

श्रीधरं माधवं गोपिका वल्लभम् ।
जानकी नायकं रामचन्द्रं भजे ॥

२६

केशव कृष्ण गोविन्द मुकुन्द ।
घट घट व्यापक आनन्द कन्द ॥

२७

गोविन्द गोविन्द हरे मुरारे ।
हर शिव शंकर भव त्रिपुरारे ॥